NEWS CLIPPING: 23.06.2019

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय में आठवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अगले साल जनवरी में होगा

शोध पर मंथन को जुटेंगे वैज्ञानिक

आयोजन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी विषय पर आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2019) का आयोजन किया जाएगा। इसमें नए अन्वेषण, खोज एवं अनुसंधान पर दुनियाभर के वैज्ञानिक मंथन करेंगे।

इसका आयोजन सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी (एसएफएसटी) और विश्वविद्यालय ऑफ साउथ फ्लोरिडा, विश्वविद्यालय ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी, 2020 तक होगा। इसका उद्देश्य अंतःविषय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है।

इसके लिए वाईएमसीए और सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी के बीच शनिवार को अनुबंध किया गया है। इस अनुबंध पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राज कुमार और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने हस्ताक्षर किए। सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी की ओर से महासचिव डॉ. अशोक शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सम्मेलन की विवरणिका तथा पोस्टर का भी विमोचन किया गया। यह जानकारी विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रेसवर्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इस प्रकार का सम्मेलन पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के तहत किया जा रहा है। इसमें अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान खोजा जाएगा। सम्मेलन शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा देगा। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह तथा विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इसमें देश और विदेशों से लगभग 400 शिक्षाविद्, तकनीकीविद् और वैज्ञानिक हिस्सा ले सकते हैं।

आईएसएफटी-2019 सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी। इससे पहले सात सम्मेलन हो चुके है। इसमें 12 देशों की सहभागिता प्राप्त हो चुका है। इसमें करीब 500 शोध पत्र एवं लेख प्राप्त होते है, जिस पर व्यापक चर्चा की जाती है। उन्होंने बताया कि सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी अकादमिक एवं अनुसंधान, उद्यम, इंजीनियरिंग और पेशेवर लोग का एक समूह है।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में जनवरी में होने वाले फ्यूजन ऑफ साइंस एवं टेक्नालोजी पर आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने पोस्टर का विमोचन किया। ● हिन्दुस्तान

मुख्यमंत्री विवि परिसर की आधारशिला रखेंगे

तैयारी

- जेसी बोस विश्वविद्यालय का दूसरा कैंपस होगा तैयार
- 18 एकड़ भूमि के अलावा अन्य का प्रयोग हरित पट्टी के रूप में होगा

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार की ओर से जेसी बोस विश्वविद्यालय का दूसरा कैंपस तैयार किया जाएगा। इसे फरीदाबाद-गुरुग्राम स्थित भांकरी गांव में करीब 18 एकड़ में बनाया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग पर 62 एकड़ भूमि आवंटित करने के लिए स्वीकृति दे दी है। इनमें से 18 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय का कैंपस तैयार किया जाएगा। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री जल्द ही विश्वविद्यालय कैंपस का आधारशिला रखेंगे।

उन्होंने कहा कि यह भूमि वन क्षेत्र के आधीन आती है। इसलिए, 18 एकड़ भूमि के अलावा अन्य भूमि का उपयोग हरित पट्टी के रूप में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैंपस बनने से विश्वविद्यालय में नया पाठ्यक्रम शुरू करने में आसानी होगी। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के साथ विधि और पेशेवर पाठ्यक्रम को भी शुरू किया जा सकता है। पिछले चार वर्षों में विश्वविद्यालय ने अकादमिक क्षेत्र में कई आयाम स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को एनबीए मान्यता हासिल हुई। इसके साथ ही एनआईआरएफ रैंकिंग में भी स्थान मिला। यहां कुल छह यूजी और नौ पीजी पाठ्यक्रम चल रहे थे।

NEWS CLIPPING: 23.06.2019

HINDUSTAN

करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाने वाली लैब में सामान्य लोग भी पानी की जांच करवा सकेंगे

वाईएमसीए में पानी की गुणवत्ता जांच के लिए लैब बनेगी

अच्छी खबर

फरीदाबाद | अवध किशोर श्रीवास्तव

जेसी बोस विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में अब पानी की गुणवत्ता की जांच होगी। इसके लिए यहां करीब एक करोड़ रुपये की लागत से लैब तैयार करने की योजना है। इसे तीन महीने के अंदर शुरू कर दिया जाएगा।

अभी यहां विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ाई के दौरान पानी की जांच करते हैं। यहां आधुनिक लैब शुरू होने के बाद सामान्य लोग भी पानी की गुणवत्ता की जांच करवा सकेंगे। औद्योगिक नगरी का भू-जल रसायनयुक्त है। इसकी जांच के लिए आधुनिक उपकरणों से लैस लैब तैयार की जा रही है। इसमें बर्बाद हो रहे पानी और पीने योग्य पानी की जांच की जाएगी। बताया जा रहा है कि इसे विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण विभाग की ओर से तैयार किया जाएगा। इसमें पीने योग्य पानी में मौजूद टीडीएस, फ्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम सहित कई रासायनों की जांच की जाएगी। पानी में मौजूद कीटाणु की भी जांच होगी। जिससे पानी से होने वाली बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

सामान्य व्यक्ति भी करवा सकेंगे पानी की जांच

लैब शुरू होने के बाद यहां कोई भी व्यक्ति पानी का जांच करा सकता है। इसके लिए उन्हें सरकार के नियमानुसार दर का भुगतान करना है। लैब तैयार होने के बाद सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। इसे सामान्य लोगों के लिए सितंबर के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

पानी जांच करने के लिए विशेषज्ञ होंगे तैनात

लैब में पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रेणुका गुप्ता को सौंपा गया है। उनका कहना है कि अभी छोटे स्तर पर चल रहा है जिसमें सिर्फ विश्वविद्यालय के छात्र पढ़ाई के दौरान जांच करते हैं।

इन तत्वों की होती है जांच

पीएच, टीडीएस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फलोराइड, क्लोराइड, सल्फेड, नाइट्रेट, आर्सेनिक, लोहा, गंदपन, ईकोली और पानी में मौजूद जीवाणुओं की मात्रा।

क्यों पड़ती है जांच की जरूरत?

पेयजल स्रोतों की स्थिति, पानी से होने वाली बीमारियां, भूजल का सही करने जीवाणु दूषित जल व स्वच्छता का पता लगाने और शुद्धीकरण के लिए।

दूषित पानी से होने वाले रोग

हार्ड वाटर-पथरी की शिकायत
टीडीएस-बीमारी से लड़ने की क्षमता कम होना
फ्लोलाइड-दांत की बीमारी

पीने योग्य पानी में क्या होना चाहिए

नाइट्रेट्स : **45** एमजी/ प्रति लीटर
नाइट्राइट : **0.02** एमजी/ प्रति लीटर
सल्फाइड : **0.05** एमजी/ प्रति लीटर
मिनरल आयल : नहीं
कॉपर : **0.05** एमजी/ प्रति लीटर
जींक : **5** एमजी/ प्रति लीटर
फ्लोराइड : **1.0** एमजी/ प्रति लीटर
बैरियम : **1.9** एमजी/ प्रति लीटर
इंडोसल्फान : नहीं होनी चाहिए
ऑरसेनिक : **0.05** एमजी/ प्रति लीटर
कैल्शियम : **0.01** एमजी/ प्रति लीटर
ऑयरन : **0.1** एमजी/ प्रति लीटर

इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसमें पेयजल और बेकार पानी की जांच की जाएगी।

-दिनेश कुमार, वाईएमसीए के कुलपति

NAVBHARAT TIMES

शिक्षा | विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के फ्यूजन पर होगा सम्मेलन

जेसी बोस करेगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर होने वाले 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2019) की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान तथा यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी 2020 तक आयोजन किया जाएगा।

आयोजन के बारे में जानकारी देते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

शनिवार को इस सम्मेलन को लेकर विश्वविद्यालय में सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. राज कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से महासचिव डॉ. अशोक शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

■ 6 से 10 जनवरी 2020 तक किया जाएगा 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2019) का आयोजन

इस अवसर पर सम्मेलन की विवरणिका तथा पोस्टर का विमोचन भी किया गया। यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जो कि तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रायोजित है। सम्मेलन में देश व विदेशों से लगभग 400 शिक्षाविद्, तकनीकीविद और वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

कुलपति ने बताया कि विगत चार वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने अकादमिक क्षेत्र में कई आयाम स्थापित किए है। उन्होंने बताया कि चार वर्ष पहले विश्वविद्यालय में कुल 6 यूजी और 9 पीजी पाठ्यक्रम चल रहे थे और विद्यार्थियों की कुल संख्या 2500 थी। आज विश्वविद्यालय में 15 यूजी और 10 पीजी पाठ्यक्रम चल रहे हैं और विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 4500 हो गई है। उन्होंने कहा कि नया कैंपस बनने के बाद विश्वविद्यालय लगभग 10 से 12 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

NEWS CLIPPING: 23.06.2019

AMAR UJALA

साइंस फ्यूजन पर होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय साइंस एंड फ्यूजन विषय पर पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। अकादमिक, शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों के लिए विश्वविद्यालय व्यापक स्तर पर पहली बार एक साथ मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में खास रूप से मौजूदा समय की चुनौतियों से निपटने के लिए विशेषज्ञ समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। शनिवार को 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2019) के लिए सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएफएसटी) के साथ विश्वविद्यालय का करार हुआ। एसएफएसटी के कुलपति डॉ. राज कुमार के साथ विवि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शनिवार को करार किया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शामिल होंगे। आगामी जनवरी में जेसी बोस विश्वविद्यालय पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। यह पहली बार है जब जेसी बोस विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी सम्मेलन का आयोजन करेगा। ब्यूरो

जेसी बोस विश्वविद्यालय में कुलपति ने शनिवार को साइन किया एमओयू

NEWS CLIPPING: 23.06.2019

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस विवि में अगले वर्ष अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विवि में पत्रकारों को जानकारी देते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। साथ में हैं आइएसएफटी के महासचिव डॉ. अशोक शर्मा और ईवयूआइपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ● जागरण

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय अगले वर्ष छह से 10 जनवरी तक होने वाले फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइएसएफटी-2019) की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलसॅजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। शनिवार को जेसी बोस विश्वविद्यालय एवं सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलोजी के बीच एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ.राज कुमार ने कुलपति प्रो.दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि सोसायटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से महासचिव डॉ. अशोक शर्मा ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय पहली बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जो तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआइपी) के अंतर्गत प्रायोजित है। टीईक्यूआइपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह तथा विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि सम्मेलन में देश व विदेशों से लगभग 400 शिक्षाविद्, तकनीकीविद् और वैज्ञानिकों हिस्सा लेंगे।

दूसरे कैंपस में पढ़ सकेंगे 12 हजार छात्र

जासं, फरीदाबाद : गुरुग्राम- फरीदाबाद मार्ग पर गांव भांकरी में जल्द जेसी बोस विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस का निर्माण 18 एकड़ जमीन पर किया जा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा यूनिवर्सिटी के लिए 62 एकड़ जमीन की आवंटन के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था।

मुख्यमंत्री जल्द विश्वविद्यालय के नए कैंपस की आधारशिला रखेंगे। यह भूमि वन क्षेत्र के अधीन होने के चलते 18 एकड़ भूमि के अलावा अन्य भूमि पर हरित पट्टी विकसित की जाएगी। नया कैंपस के बनने से विश्वविद्यालय को नये पाठ्यक्रम शुरू करने में आसानी होगी। विश्वविद्यालय की योजना विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के साथ-साथ विधि तथा अन्य पेशेवर पाठ्यक्रम शुरू करने की है। चार वर्ष पहले विश्वविद्यालय में कुल छह यूजी और नौ पीजी पाठ्यक्रम चल रहे थे और विद्यार्थियों की कुल संख्या 2500 थी। आज विश्वविद्यालय में 15 यूजी और दस पीजी पाठ्यक्रम चल रहे है और विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 4500 तक हो गई है। उन्होंने कहा कि नया कैंपस बनने के बाद विश्वविद्यालय लगभग 10 से 12 हजार विद्यार्थियों के लिए सक्षम होगा।

NEWS CLIPPING: 23.06.2019

DAINIK BHASKAR

प्रदेश सरकार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय के लिए 62 एकड़ जमीन का आवंटित की है

फरीदाबाद-गुड़गांव रोड पर 18 एकड़ में वाईएमसीए का बनेगा नया कैंपस, सीएम जल्द रखेंगे आधारशिला

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

हरियाणा सरकार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस के लिए फरीदाबाद-गुड़गांव मार्ग पर भांखरी गांव में 18 एकड़ भूमि आवंटन कर दी है। यहां विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस का विस्तार किया जाएगा। जल्द ही विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी जाएगी। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को फरीदाबाद-गुड़गांव मार्ग पर 62 एकड़ भूमि आवंटित किया है। इसमें से कैंपस निर्माण के लिए 18 एकड़ भूमि निर्धारित की गई है। शेष पर वन विभाग से अनुमति लेकर उसे ग्रीनबेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया जल्द ही सीएम कैंपस की आधारशिला रखेंगे। कुलपति ने कहा कि नये कैंपस के बनने से विश्वविद्यालय को नए पाठ्यक्रम शुरू करने में आसानी होगी।

कुलपति के अनुसार विश्वविद्यालय की योजना विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के साथ-साथ विधि तथा अन्य पेशेवर पाठ्यक्रम शुरू करने की है।आज विश्वविद्यालय में 15 यूजी और 10 पीजी पाठ्यक्रम चल रहे हैं। जबकि विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 4500 तक हो गई है। उन्होंने कहा नया कैंपस बनने के बाद विश्वविद्यालय लगभग 10 से 12 हजार विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करा सकेगा।

फरीदाबाद. जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी।

वाटर टेस्टिंग लैब बनाने का काम जारी

प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि प्रदूषण के क्षेत्र में हमारा शहर दुनिया में बदनाम हो चुका है। इसे सुधारने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया वाटर टेस्टिंग को लेकर वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने एक लैब बनाने का निर्णय लिया है। जिससे शहर में गंदे पानी की सप्लाई की जांच की जा सके। इसके अलावा विश्वविद्यालय पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए जागरुकता अभियान भी चलाएगा।

DAINIK BHASKAR

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन • बोस यूनिवर्सिटी करेगी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के फ्यूजन पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी

दुनिया के 400 से अधिक वैज्ञानिक शोध के आइडिया साझा करेंगे

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान तथा यूनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी आफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन आफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी 2020 तक होगा। इसमें देश-दुनिया की विभिन्न यूनिवर्सिटी के 400 से अधिक वैज्ञानिक व शोधकर्ता हिस्सा लेंगे। विभिन्न विषयों पर अपने आइडियाज और शोध एक-दूसरे से शेयर करेंगे। सम्मेलन में मेन फोकस इंडस्ट्रीज, एनर्जी और इनवायरमेंट पर होगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शनिवार को प्रेसवार्ता में दी। इस दौरान सोसाइटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के साथ समझौता ज्ञापन पर वाईएमसीए की ओर से कुलसचिव डॉ. राजकुमार और डॉ. अशोक शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

फरीदाबाद. वाईएमसीए विश्वविद्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य।

यूनिवर्सिटी में पहली इंटरनेशनल कांफ्रेंस

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रायोजित है।

दर्जनभर देशों के 400 से अधिक वैज्ञानिक व शोधकर्ता होंगे शामिल

सोसाइटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी दिल्ली के प्रो. नवीन कुमार ने बताया कि इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दुनिया के दर्जनभर देशों के यूनिवर्सिटी में विभिन्न विषयों के 400 से अधिक वैज्ञानिक और शोधकर्ता शामिल होंगे। अमेरिका, इटली, ईरान, थाइलैंड, कोरिया, साउथ अफ्रीका, इग्लैंड, जापान, फ्रांस, जर्मनी आदि देशों के वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के आने की मंजूरी मिल चुकी है। प्रो. कुमार के अनुसार फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी। अभी तक सात अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रहती है। प्रतिवर्ष सम्मेलन में लगभग 500 शोधपत्र एवं लेख प्राप्त होते हैं, जिन पर व्यापक चर्चा होती है।

यह यूनिवर्सिटी भी हैं आमंत्रित

इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दिल्ली यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, बनारस यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी, एमडीयू, गुरू जंभेश्वर यूनिवर्सिटी, इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी, पटना यूनिवर्सिटी, मिथिला यूनिवर्सिटी, मगध यूनिवर्सिटी, कानपुर यूनिवर्सिटी समेत देश की अन्य यूनिवर्सिटियों को आमंत्रित किया है।

इन विषयों पर लर्निंग व शेयरिंग

प्रो. नवीन कुमार के अनुसार इस कांफ्रेंस में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल, इनवायरमेंट, केमिकल इंजीनियरिंग, बॉयोटेक्नोलॉजी के अलावा फैशन डिजाइन एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, हेल्थ एंड मेडिकल इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड बायो सिस्टम इंजीनियरिंग, विषयों पर लर्निंग व शेयरिंग होगी।